Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 26-07-2005

Participants : Aditya Nath Shri

>

Title: Regrding terrorist attack on Ramjanambhoomi, Ayodhya.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, केन्द्र में यूपीए सरकार के आने के बाद पूरे देश में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि हुई है। देश के सबसे सुरक्षित और सबसे अधिक सुरक्षा वाले धर्मस्थल अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि, जो करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का प्रतीक है, वहां पांच जुलाई को आतंकवादी गतिविधियों के तहत एक आतंकी हमला किया गया। अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि पर स्थित मंदिर की सुरक्षा का दायित्व प्रदेश और केन्द्र दोनों सरकारों की सामूहिक जिम्मेदारी के तहत आता है। इसलिए अयोध्या की घटना के लिए केन्द्र और प्रदेश दोनों सरकारें जिम्मेदार हैं। लेकिन जहां केन्द्रीय गृह मंत्री जी ने अयोध्या का दौरा किया वहीं उत्तर प्रदेश सरकार के गैर-जिम्मेदाराना रवैये से हर व्यक्ति आक्रोशित है। जिस हल्केपन से उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी घटनाओं को लिया है, वह बहुत बड़े संदेह को जन्म देता है क्योंकि जिन गाड़ियों का उस हमले में प्रयोग किया गया था, उन पर एक पार्टी विशो के झंड़े लगे थे। इस हमले के बारे में हर व्यक्ति जानता है कि उसके पीछे पाकिस्तान का हाथ था। इस हमले के एक सप्ताह पूर्व उत्तर प्रदेश के एक वरिठ पुलिस अधिकारी के अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को हटाने के संबंध में बयाने आये थे। उसके बाद एक सप्ताह के अंदर जिस तरह से अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि परिसर पर हमला हुआ, उससे देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के अंदर करोड़ों हिन्दुओं की आस्था पर ठेस पहुंची है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस घटना की सीबीआई से जांच कराई जाये क्योंकि उत्तर प्रदेश सरकार या वहां के प्रशासन पर अब विश्वास नहीं किया जा सकता।

इसी तरह जिस प्रकार कल के समाचार पत्रों में पढ़ने को मिला है कि जम्मू-कश्मीर सरकार ने उन आतंकियों को उत्तर प्रदेश सरकार और वहां की पुलिस को सौंपने से इंकार किया है, उस संबंध में अयोध्या में चूंकि करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का प्रतीक वह धर्मस्थल है इसलिए माननीय प्रधान मंत्री जी इस पर वक्तव्य दें और इस घटना की केन्द्रीय एजेंसी से जांच कराने की व्यवस्था करें।